(घ) राज्य सरकारों से सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी।

**विवरण**

| क्रमांक | राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के नाम | लाख एकड़ में क्षेत्र का वितरण |
|---|---|---|
| 1. | आन्ध्र प्रदेश | 30.40 |
| 2. | असम | 3.75 |
| 3. | बिहार | 9.75 |
| 4. | गुजरात | 13.81 |
| 5. | हरियाणा | 0.03 |
| 6. | हिमाचल प्रदेश | 0.17 |
| 7. | कर्नाटक | 13.72 |
| 8. | केरल | 4.57 |
| 9. | मध्य प्रदेश | 1.71 |
| 10. | महाराष्ट्र | 10.23 |
| 11. | मणिपुर | 0.32 |
| 12. | पंजाब | 1.10 |
| 13. | उड़ीसा | 6.64 |
| 14. | तामिलनाडु | 2.07 |
| 15. | त्रिपुरा | 1.32 |
| 16. | उत्तर प्रदेश | 22.28 |
| 17. | पश्चिमी बंगाल | 4.23 |
| 18. | गोवा | 0.05 |
| 19. | मिजोरम | 0.74 |
| 20. | राजस्थान | 0.93 |
| 21. | दिल्ली | 0.06 |
| | **कुल**: | 127.97 |

**ग्रामीण विकास परियोजनाओं के लिए विश्व बैंक ऋण**

523. **श्री नागमणि** : क्या ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या विश्व बैंक कुछ राज्यों में ग्रामीण विकास परियोजनाओं के लिए ऋण देने के प्रस्ताव पर सहमत हो गया है,

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, और क्या उक्त प्रस्ताव में गुजरात राज्य को शामिल किया गया है,

(ग) क्या विश्व बैंक के किसी दल ने इस संबंध में कुछ राज्यों का दौरान किया है,

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है,

(ड़) क्या सरकार इस योजना को अन्य राज्यों में भी क्रियान्वित करने का विचार रखती है, और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

**ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) में राज्य मंत्री (श्री उत्तमभाई एच. पटेल)** : (क) से (च) विश्व बैंक की सहायता से विभिन्न राज्यों में कुछेक जल आपूर्ति और पर्यावर्णीय स्वच्छता परियोजनाएं चल रही है। इसके अलावा, विश्व बैंक की सहायता से कर्नाटक में जल आपूर्ति और पर्यावर्णीय स्वच्छता परियोजना तथा महाराष्ट्र में ग्रामीण जल आपूर्ति और पर्यावर्णीय स्वच्छता परियोजना चल रही परियोजनाएं हैं। इस प्रकार उत्तर प्रदेश, पंजाब और तमिलनाडु राज्यों में विश्व बैंक की सहायता के लिए ऐसी परियोजनाएं फिल हाल ग्रामीण क्षेत्र एवं रोजगार मंत्रालय में मूल्यांकन पूर्व/मूल्यांकन की स्थिति में हैं।

**"कृभकों" में प्रबंध व्यवस्था**

524. **श्रीमती मालती शर्मा** :

**श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला** :

**श्री राजनाथ सिंह** :

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार को "कृभको"में प्रबंध व्यावस्था के बारे में "कृभको" कर्मचारी संघ से एक पत्र प्राप्त हुआ है,

(ख) यदि हां, तो उक्त पत्र में क्या-क्या आरोप लगाए गए हैं,

(ग) उक्त पत्र पर क्या कार्यवाही की गई है,

(घ) इस कार्यवाही का क्या परिणाम निकला है?

**रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री राम लखन सिंह यादव)** : (क) और (ख) मई, 1995 में एक शिकायत प्राप्त हुई थी जिसमें अखिल भारत कृभकों कर्मचारी संघ के महासचिवों द्वारा निम्नलिखित आरोप लगाए गए हैं:

।